

प्रारंभिक परीक्षा

बुर्किना फासो(Burkina Faso)

संदर्भ

बुर्किना फासो में जिहादी हिंसा के कारण कपास उत्पादन में भारी कमी आई है।

बुर्किना फासो के बारे में -

- **स्थान:** पश्चिमी अफ्रीका में स्थलरुद्ध देश।
 - पूर्वी और पश्चिमी दोनों गोलार्धों के क्षेत्रों के साथ प्रधान मध्याह्न रेखा पर फैला हुआ है।
- **सीमाएँ:** माली (उत्तर और पश्चिम), नाइजर (पूर्व), बेनिन (दक्षिण-पूर्व), टोगो, घाना और आइवरी कोस्ट (दक्षिण)।
- **राजधानी:** औगाडौगू
- **भूगोल:**
 - मुख्यतः सवाना, पठार और निम्न पर्वत (दक्षिण-पश्चिम)।
 - उत्तरी क्षेत्र (साहेल) शुष्क और रेगिस्तान जैसा है।

स्रोत: [द हिंदू](#)



धीरियो(Dhirio)

संदर्भ

गोवा के विधायकों ने धीरियो को वैध बनाने की मांग की है।

धीरियो के बारे में -

- बुलफाइटिंग, जिसे स्थानीय तौर पर धीरियो या धीरी के नाम से जाना जाता है, को गोवा की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग माना जाता है।
- पारंपरिक रूप से यह फसल कटाई के बाद के उत्सवों और स्थानीय चर्च के उत्सवों से जुड़ा हुआ है।
- पारंपरिक स्थल
 - गोवा के धान के खेतों और फुटबॉल मैदानों में आयोजित किया जाता था।
 - गांव के चरवाहे अक्सर प्रतियोगिताओं के लिए अपने बैलों को लेकर आते थे।
- लड़ाई प्रक्रिया
 - इसकी शुरुआत दो बैलों के एक दूसरे पर हमला करने और सींगों को आपस में भिड़ाने से होती है।
 - बैल सिर से टक्कर मारते हैं और बार-बार हमला करते हैं और पीछे हटते हैं।
 - प्रशिक्षक पीछे से बैलों को उकसाते और प्रोत्साहित करते हैं।
- ऐतिहासिक जड़ें: यह प्रथा पुर्तगाली युग से चली आ रही है और पीढ़ियों से गोवा की परंपरा का हिस्सा रही है।
- कानूनी प्रतिबंध: 1997 में, उच्च न्यायालय ने गोवा को धीरियो सहित सभी प्रकार की पशु लड़ाई पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया।



स्रोत: [इंडियनएक्सप्रेस](#)

विदेशी भारतीय नागरिक(OCI)

संदर्भ

भारत ने **OCI** (विदेशी भारतीय नागरिक) मानदंडों को कड़ा कर दिया है।

OCI (विदेशी भारतीय नागरिक) योजना -

- नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2005 के तहत 2005 में शुरू किया गया।
- विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के लिए बनाया गया है, सिवाय उन लोगों के जो कभी पाकिस्तान या बांग्लादेश के नागरिक रहे हों।

OCI (विदेशी भारतीय नागरिक) कार्डधारकों के लिए वर्तमान नियम -

- **पात्रता नियम**
 - भारतीय मूल का व्यक्ति या उनका वंशज (परपोते तक) होना चाहिए।
 - भारतीय नागरिकों या **OCI** कार्डधारकों के पति/पत्नी पात्र हैं (यदि विवाह कम से कम 2 वर्ष तक चलता है)।
 - पाकिस्तान या बांग्लादेश के नागरिक, या जिनके पास कभी ये नागरिकता रही हो, वे इसके पात्र नहीं हैं।
- **प्रतिबंध**
 - भारतीय चुनावों में वोट देने का अधिकार नहीं।
 - संवैधानिक या सरकारी पदों पर नहीं रह सकते।
 - भारत में कृषि या बागान भूमि नहीं खरीद सकते।
- **रद्दीकरण के आधार (नागरिकता अधिनियम की धारा 7D)**
 - धोखाधड़ी या गलतबयानी द्वारा **OCI** प्राप्त करना।
 - भारतीय संविधान के प्रति असंतोष प्रदर्शित करना।
 - पंजीकरण के पांच वर्ष के भीतर दो वर्ष या उससे अधिक की सजा या दोषसिद्धि।
 - भारत की संप्रभुता, अखंडता या सुरक्षा के विरुद्ध कार्य करना।
 - **नया नियम (2024-25)**: यदि धारक को दोषी ठहराया जाता है और कम से कम दो साल की जेल की सजा सुनाई जाती है - या यहां तक कि अगर सात साल या उससे अधिक की सजा वाले मामले में औपचारिक रूप से आरोप-पत्र दायर किया जाता है, तो **OCI** स्थिति को रद्द करने की अनुमति।

स्रोत: [हिंदुस्तान टाइम्स](#)

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(Consumer Price Index-CPI)

संदर्भ

जुलाई में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति 8 वर्ष के निम्नतम स्तर 1.55% पर आ गयी।

जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति -

- **हेडलाइन CPI मुद्रास्फीति:** जुलाई 2025 में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर **1.55%** हो गई, जो आठ साल का न्यूनतम स्तर है - जून 2017 के बाद से सबसे कम।
- **खाद्य मुद्रास्फीति (CFPI):** -1.76% दर्ज की गई, अपस्फीति क्षेत्र में प्रवेश किया और जनवरी 2019 के बाद से अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गई।
- **प्रमुख खाद्य श्रेणियों में मूल्य में उतार-चढ़ाव:**
 - जुलाई में सब्जियों की कीमतों में -20.69% की गिरावट आई (जून में -19% की तुलना में)।
 - दालों की कीमतों में -13.76% की गिरावट आई (जून में -11.76% की तुलना में)।
- **ग्रामीण और शहरी मुद्रास्फीति दरें:**
 - ग्रामीण CPI मुद्रास्फीति: **1.18%**
 - शहरी CPI मुद्रास्फीति: **2.05%**
- **पिछली अवधियों से तुलना:** जून में खुदरा मुद्रास्फीति लगभग 2.1% थी, और जुलाई 2024 में यह 3.54% रही। जुलाई 2025 में 1.55% की वृद्धि ने इस प्रवृत्ति को काफी कम कर दिया।
- **व्यापक आर्थिक निहितार्थ:** इस गिरावट से उपभोक्ताओं को राहत मिली है, हालांकि खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी से गिरावट के कारण किसानों की आय पर इसका असर पड़ रहा है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(CPI) के बारे में -

- यह उन वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में समय के साथ परिवर्तन को मापता है जिन्हें परिवार उपभोग के लिए खरीदते हैं।
- **महत्व:**
 - मुद्रास्फीति का प्रमुख व्यापक आर्थिक संकेतक।
 - सरकारों और केंद्रीय बैंकों द्वारा मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के लिए उपयोग किया जाता है।
 - राष्ट्रीय खातों में अपस्फीतिकारक के रूप में कार्य करता है।
 - कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते को अनुक्रमित करने का आधार।
- **प्रत्येक माह की 12 तारीख को केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) द्वारा प्रकाशित।**
- **घटक:** चार राष्ट्रीय स्तर के CPI सूचकांक:
 - औद्योगिक श्रमिकों के लिए CPI (CPI-IW)
 - कृषि श्रमिकों के लिए CPI (CPI-AL)
 - ग्रामीण श्रमिकों के लिए CPI (CPI-RL)
 - शहरी गैर-शारीरिक कर्मचारियों के लिए CPI (CPI-UNME)
- **आधार वर्ष:** 2012

स्रोत: [द हिंदू](#)

भारत का पहला निजी पृथ्वी अवलोकन (EO) उपग्रह समूह

संदर्भ

भारत, पिक्सलस्पेस इंडिया कंसोर्टियम के नेतृत्व में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत पृथ्वी अवलोकन (EO) उपग्रहों का अपना पहला निजी समूह स्थापित करने के लिए चर्चा में है।

PPP मॉडल के तहत भारत का पहला निजी पृथ्वी अवलोकन (EO) उपग्रह समूह -



- यह क्या है?
 - 12 उन्नत पृथ्वी अवलोकन (EO) उपग्रहों को तैनात करने की ऐतिहासिक पहल।
 - सरकार के साथ साझेदारी में निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित और संचालित।
- शामिल कंपनियां
 - प्रमुख साझेदार: पिक्सलस्पेस इंडिया।
 - कंसोर्टियम के सदस्य: पियर्सॉइट स्पेस, सैटस्योर एनालिटिक्स इंडिया, ध्रुव स्पेस।
- उद्देश्य
 - राष्ट्रीय और वैश्विक उपयोग के लिए हाई-रिज़ॉल्यूशन, स्वदेशी उपग्रह डेटा प्रदान करना।
 - महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी को मजबूत करना।
 - विदेशी EO डेटा पर निर्भरता कम करना तथा डेटा सुरक्षा एवं संप्रभुता सुनिश्चित करना।
- प्रमुख विशेषताएँ
 - निवेश: 5 वर्षों में निजी क्षेत्र से ₹1,200 करोड़।
 - उपग्रह समूह: 12 अत्याधुनिक EO उपग्रह।
 - अनुप्रयोग: जलवायु परिवर्तन निगरानी, आपदा प्रबंधन, कृषि विश्लेषण, समुद्री निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा, शहरी नियोजन।
 - वैश्विक पहुंच: भूस्थानिक खुफिया जानकारी की अंतर्राष्ट्रीय मांग को पूरा करना।
 - डेटा आउटपुट: विश्लेषण के लिए तैयार डेटा (ARD) और मूल्य-वर्धित सेवाएं (VAS) प्रदान करना।
 - PPP मॉडल: आईएन-स्पेस के निजी क्षेत्र संवर्धन ढांचे के अंतर्गत पहली बार EO उपग्रह समूह।

पिक्सलस्पेस इंडिया के बारे में -

- बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष तकनीक स्टार्टअप जो हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग उपग्रहों में विशेषज्ञता रखता है।
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक।
- स्थापना: 2019
- मुख्य फोकस: सटीक, उच्च गुणवत्ता वाले भू-स्थानिक अंतर्दृष्टि के लिए एक वैश्विक हाइपरस्पेक्ट्रल EO उपग्रह नेटवर्क का निर्माण करना।

स्रोत: द हिंदू

बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान

संदर्भ

पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वन विभाग ने बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान के 20 किलोमीटर क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है।

बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान के बारे में -

- एक राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व
- स्थान: कर्नाटक के चामराजनगर जिले में स्थित है।
- स्थापना:
 - मैसूर के महाराजा द्वारा 1931 में वेणुगोपाल वन्यजीव पार्क (90 वर्ग किमी में फैला) के रूप में स्थापित किया गया।
 - 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत टाइगर रिजर्व घोषित किया गया।
 - 1986 में नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व में शामिल किया गया।
- इसकी सीमा तीन अन्य राष्ट्रीय उद्यानों नागारहोल राष्ट्रीय उद्यान, वायनाड राष्ट्रीय उद्यान और मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान से लगती है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग 766 (केरल में कोझिकोड से कर्नाटक में कोल्लेगल तक) बांदीपुर के मुख्य क्षेत्र से होकर गुजरता है।

तथ्य -

- कर्नाटक में 5 टाइगर रिजर्व हैं: बांदीपुर, भद्रा, नागरहोल, दांडेली-अंशी और बिलिगिरिरंगनाथ स्वामी मंदिर (BRT) टाइगर रिजर्व।

स्रोत: [न्यू इंडियन एक्सप्रेस](#)

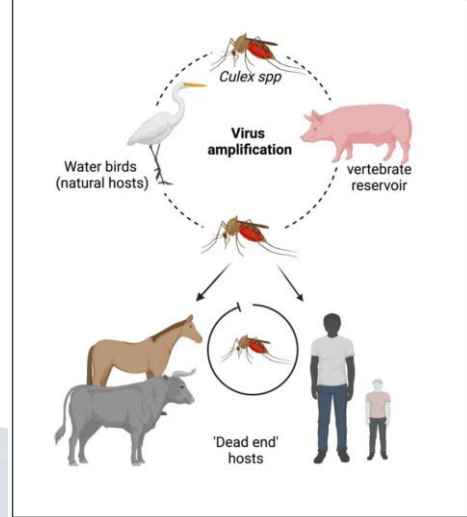
जापानी इन्सेफेलाइटिस

संदर्भ

तमिलनाडु में जापानी इन्सेफेलाइटिस टीकाकरण का विस्तार किया गया।

इसके बारे में -

- **यह क्या है:** जापानी एन्सेफलाइटिस वायरस (JEV) के कारण होने वाला एक वायरल रोग, जो फ्लेविवायरस जीनस (डेंगू और पीले बुखार के समान परिवार) से संबंधित है।
 - यह मुख्यतः केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और मस्तिष्क में सूजन (एन्सेफेलाइटिस) पैदा कर सकता है।
- **संचरण:** संक्रमित क्यूलेक्स मच्छरों (मुख्य रूप से क्यूलेक्स ट्राइटैनियोरेचस) के काटने से फैलता है।
 - मनुष्य आकस्मिक मेजबान हैं; मुख्य वायरस चक्र मच्छरों, सूअरों और पक्षियों के बीच होता है।
- **भौगोलिक विस्तार:** दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया तथा पश्चिमी प्रशांत के कई भागों में पाया जाता है।
 - भारत में यह रोग उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, ओडिशा और तमिलनाडु जैसे राज्यों में स्थानिक है।
- **लक्षण:** अधिकांश संक्रमण लक्षणहीन या हल्के (बुखार, सिरदर्द) होते हैं।
 - तेज बुखार, गर्दन में अकड़न, दौरे, कोमा और मस्तिष्क में सूजन हो सकती है, जिससे मृत्यु या स्थायी तंत्रिका संबंधी क्षति का खतरा हो सकता है।
- **रोकथाम और नियंत्रण:** टीकाकरण सबसे प्रभावी निवारक उपाय है।
 - वेक्टर नियंत्रण (धान के खेतों, जल निकायों में मच्छरों के प्रजनन को कम करना)।
 - सूअरों को मच्छरों के संपर्क से बचाना, क्योंकि वे प्रवर्धक मेजबान के रूप में कार्य करते हैं।
 - जन जागरूकता और शीघ्र निदान।



समाचार संक्षेप में

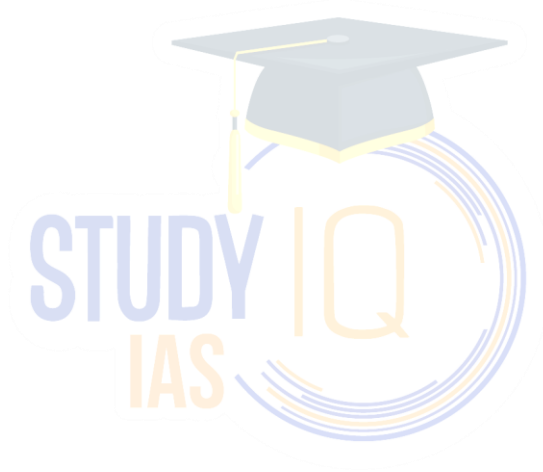
होस्टाइल एक्टिविटी वॉच कर्नेल (HAWK)

खबर? तमिलनाडु ने वन्यजीव अपराधों से निपटने के लिए HAWK लॉन्च किया।

यह क्या है?

- यह वन एवं वन्यजीव अपराधों से निपटने के लिए एक वास्तविक समय अपराध प्रबंधन मंच है।
- इसे कर्नाटक वन विभाग द्वारा भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (WTI) और एनटीटी डेटा के सहयोग से विकसित किया गया है।

स्रोत: [न्यू इंडियन एक्सप्रेस](#)



संपादकीय सारांश

UAV/UCAV एक रणनीतिक आवश्यकता

संदर्भ

- 21वीं सदी में युद्ध के विकास को मानव रहित हवाई वाहनों (UAV) और मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहनों (UCAV) की बढ़ती भूमिका द्वारा चिह्नित किया गया है।
 - द्वितीय नागोर्नो-करबाख संघर्ष (2020) और ऑपरेशन सिंदूर (2025) ने ड्रोन को टोही उपकरण के रूप में उपयोग से लेकर सटीक स्ट्राइक प्लेटफार्मों तक के निर्णायक बदलाव पर प्रकाश डाला।
 - भारत के लिए, अपनी विशाल और विवादित सीमाओं के कारण, ड्रोन अब वैकल्पिक नहीं बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन गए हैं।

भारत के लिए चुनौतियाँ -

- सीमित बेड़ा और क्षमता अंतराल:** मौजूदा इजरायली प्रणालियाँ (हारोप और हेरोन) उपयोगी हैं, लेकिन पुरानी हो चुकी हैं।
 - चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर उच्च ऊंचाई पर निगरानी के लिए वर्तमान प्लेटफार्म अपर्याप्त हैं।
- आयात पर निर्भरता:** भारत ने हाल ही में अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी रीपर्स खरीदे हैं, लेकिन वह विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर है।
 - स्वदेशी प्रणालियाँ अभी भी प्रारंभिक अवस्था में हैं और उनमें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अभाव है।
- भू-राजनीतिक बाधाएं:** इजरायल, जो एक प्रमुख साझेदार है, पश्चिम एशिया में व्यस्त है।
 - तुर्की और चीन के साथ प्रतिकूल संबंधों के कारण उनकी ड्रोन प्रौद्योगिकी पर निर्भरता कम हो जाती है।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा:** MTCR प्रतिबंधों के कारण अमेरिकी निर्यात क्षमता सीमित है, वैश्विक ड्रोन निर्यात (2023) में इसकी हिस्सेदारी केवल 8% है।
 - चीन और तुर्की पहले ही UAV निर्यात में लागत प्रभावी अग्रणी के रूप में उभरे हैं।
- घरेलू बाधाएं:** नौकरशाही की लालफीताशाही और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का प्रभुत्व नवाचार को धीमा कर देता है।
 - निजी क्षेत्र की भागीदारी और अनुसंधान एवं विकास निवेश सीमित बने हुए हैं।

भारत के लिए अवसर -

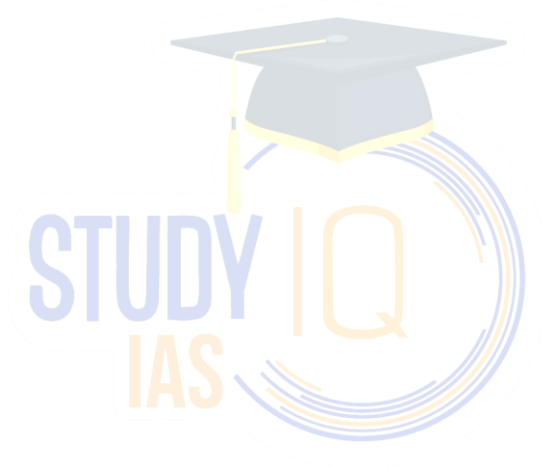
- समुद्री क्षेत्र जागरूकता (MDA):** भारत की तरह, हिंद-प्रशांत राष्ट्र (वियतनाम, फिलीपींस, ताइवान, जापान, दक्षिण कोरिया) विवादित जल में चीनी "ग्रे-ज़ोन" रणनीति का सामना करते हैं।
 - निगरानी और निवारण के लिए भारत द्वारा डिजाइन किए गए UAV को तैयार बाजार मिल सकता है।
- रणनीतिक साझेदारियाँ:** समान विचारधारा वाले साझेदारों (जैसे, इजराइल, यूरोपीय राष्ट्र, क्राड सदस्य) के साथ संयुक्त उद्यम और प्रौद्योगिकी-साझाकरण से घरेलू क्षमताओं को बढ़ावा मिल सकता है।
- स्वदेशी रक्षा विनिर्माण:** मेक इन इंडिया और iDEX (रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार) जैसी पहलों का लाभ उठाकर एक मजबूत UAV पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया जा सकता है।
 - स्वदेशी ड्रोनों में एआई, डेटा एनालिटिक्स और लंबी दूरी की मारक क्षमता का एकीकरण।
- ड्रोन कूटनीति के माध्यम से क्षेत्रीय प्रभाव:** इंडो-पैसिफिक देशों को ड्रोन की आपूर्ति करने से तुर्की के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला किया जा सकता है।
 - इस क्षेत्र में नेट सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की भूमिका को बढ़ावा मिलेगा।

- **दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकी का विकास:** UAV में नवाचारों से न केवल रक्षा बल्कि आपदा राहत, कृषि और सीमा प्रबंधन को भी लाभ हो सकता है।

निष्कर्ष

ड्रोन का उदय युद्ध में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है। भारत के लिए, ये रक्षा तैयारियों और क्षेत्रीय रणनीतिक पहुँच, दोनों के लिए आवश्यक हैं। हालाँकि आयात पर निर्भरता जारी है, लेकिन UAV आपूर्ति में मौजूदा वैश्विक शून्यता - विशेष रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में - एक अवसर प्रस्तुत करती है। घरेलू नवाचार को रणनीतिक साझेदारियों के साथ जोड़कर, भारत न केवल अपनी सीमाओं को सुरक्षित कर सकता है, बल्कि एशिया में एक अग्रणी UAV आपूर्तिकर्ता के रूप में भी उभर सकता है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उसकी स्थिति मज़बूत होगी।

स्रोत: [द हिंदू](#)



विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक स्वतंत्रता का हनन

संदर्भ

भारत में शैक्षणिक स्वतंत्रता पर बढ़ती बाधाएं आ रही हैं।

शैक्षणिक स्वतंत्रता का महत्व -

- **ज्ञान सृजन:** विद्यमान ज्ञान पर प्रश्न उठाना वैज्ञानिक और सामाजिक प्रगति का आधार है।
- **लोकतांत्रिक कार्य:** विश्वविद्यालय विवेक-रक्षक के रूप में कार्य करते हैं, तथा सूचित आलोचना के माध्यम से सरकारों को जवाबदेह बनाते हैं।
- **नवप्रवर्तन और अर्थव्यवस्था:** निःशुल्क अनुसंधान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नीतिगत समाधानों को बढ़ावा देता है, जिससे आर्थिक विकास में योगदान मिलता है।
- **सामाजिक विकास:** खुली बहस और विविध दृष्टिकोण समाज को समृद्ध बनाते हैं और जिम्मेदार नागरिकों का पोषण करते हैं।

भारत में चुनौतियाँ -

- **पाठ्यक्रम नियंत्रण:** निर्धारित पाठ्यक्रम और कुछ पाठ्य सामग्री का बहिष्कार स्वतंत्र शिक्षण और सीखने को सीमित करता है।
- **अनुसंधान प्रतिबंध:** वित्तपोषण अक्सर सरकारी परिषदों द्वारा निर्देशित होता है, जो अपरंपरागत या आलोचनात्मक अनुसंधान को हतोत्साहित करता है।
- **असहमति का दमन:** सत्तारूढ़ सरकारों की आलोचना करने वाले छात्र/संकाय चर्चाओं को अक्सर प्रशासनिक या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।
- **दखलंदाजी वाले नियम:** विदेश में भी "सरकार विरोधी" गतिविधियों से बचने के लिए शिक्षकों के लिए ड्यूटी-अवकाश की प्रतिबद्धताएं उनकी स्वतंत्रता को सीमित करती हैं।
- **निजी विश्वविद्यालय दबाव में:** जोखिम से बचने वाले प्रबंधन राजनीतिक नाराजगी से बचने के लिए असहमतिपूर्ण आवाजों को दबा देते हैं।
- **यूजीसी और कानून द्वारा अत्यधिक विनियमन:** अत्यधिक नौकरशाही नियंत्रण वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता को कमजोर करता है।

वैश्विक समानताएँ -

- **प्रतिबंधित स्वतंत्रता:** अर्जेंटीना, हंगरी, तुर्की - निर्वाचित सरकारें विश्वविद्यालयों पर अंकुश लगा रही हैं।
- **सत्तावादी शासन:** चीन, रूस, वियतनाम - सख्त नियंत्रण, विशेष रूप से सामाजिक विज्ञानों पर।
- **दबाव में लोकतंत्र:** अमेरिका - वित्त पोषण में कटौती और नीतिगत प्रतिबंध दीर्घकालिक शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए खतरा हैं।

आगे की राह: स्वायत्तता और जवाबदेही की रक्षा -

- **विनियामक संरचनाओं में सुधार:** यूजीसी के कठोर नियंत्रणों को शैक्षणिक, वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने वाले ढाँचों से प्रतिस्थापित करना।
- **सहकर्मी-आधारित अनुसंधान वित्तपोषण:** संसाधनों का आवंटन पारदर्शी, स्वतंत्र सहकर्मी समीक्षा के माध्यम से करें, न कि राजनीतिक विवेकाधिकार के माध्यम से।
- **संस्थागत शासन सुधार:** संकाय सीनेट और बोर्डों को सशक्त बनाना, सरकारी हस्तक्षेप को कम करना।
- **विविधता को प्रोत्साहित करना:** पाठ्यक्रम में स्वतंत्रता की अनुमति देना और सभी के लिए एक ही प्रकार के मॉडल के बजाय अंतःविषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।
- **जवाबदेही तंत्र:** संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय रैंकिंग, बाह्य ऑडिट और छात्र फीडबैक।
- **असहमति की रक्षा करना:** परिसरों के भीतर संवैधानिक स्वतंत्रता की गारंटी दें, यह सुनिश्चित करें कि विश्वविद्यालय बहस के लिए सुरक्षित स्थान बने रहें।

स्रोत: [द हिंदू](#)